सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 25 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 26 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

अपने लक्ष्य को लेकर महत्वाकांक्षी होने से डरो मत। कड़ी मेहनत कभी रुकती नहीं ना ही तुम्हारे सपने रुकने चाहिए।

-ड्वेन जॉनसन

अश्विन ने की कुंबले की... 7 | लोस चुनाव-24 पर लगी सबकी... 3 | बसपा में मची भगदड़, चार सांसदों... 2

मकान तोड़ने व बचाने की जंग

कौन पोछेगा इन बेबसों के आंसू !

अकबर नगर में गरीबों के आशियाने उजड़े

- सुबह से ही अयोध्या रोड पर खड़े हुए सरकारी वाहन
- प्रशासन की कार्रवाई से परेशान रहे लोग
- विपक्ष ने योगी सरकार को बताया तानाशाह
- सदमे में आकर एक युवक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आंखों में आंसू। चेहरे पर बेबसी। आशियाने के छीन जाने का गम। बदहवास बच्चें, महिलांए व बुर्जुग। इस तरह का माजरा देखने को मिला लखनऊ के अकबर नगर इलाके में। जहां दंभ में चूर सत्ताधीशों ने गरीबों के आशियाने को अवैध बताकर बुलडोजर चलाने का फैसला किया है। सत्ता में बैठे लोगों से सवाल यह है कि पहले तो लोगों को बसाया जाता है फिर अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ा जाता है। जो सरकार सारे लोगों को अपना छत मुहैया कराने के दावे कर रही है वही जब बेबस-निरीह लोगों के सर से छत उजाड़ेगी तब इन बेचारें लोगों के आंसू कौन पोछेगा। उधर इस कार्यवाही से सदमे में आकर एक युवक की मौत हो गई। इसका जिम्मेदार कौन है। सरकार का कर्तव्य है कि वह इन पीड़ितों के दर्द को समझे।

दरअसल कुकरैल रिवर फ्रंट योजना के अंतर्गत लखनऊ विकास प्राधिकर (एलडीए) विकास कर रही है। ऐसे में वह कुकरैल नदी के आस-पास के इलाकों को हटाने के लिए कार्रवाई कर रही है। इसमें वह उन लोगों के घरों को तोड़ने जा रहा है जो कोर्ट नहीं गए हैं। हालांकि वहां के लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट करवाने की कोशिश हो रही है। इन सबके बीच सियासत भी शुरू हो गई। सपा, कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने इस तरह के कार्रवाई को अमनावीय बताते हुए इसे बीजेपी सरकार की मनमानी बताई है। इससे पहले लखनऊ विकास प्राधिकारणक की कार्रवाई के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट याचिका लगाई थी। जिस पर अदालत मकान को तोड़ने के खिलाफ पड़ी याचिका पर फिलहाल रोक लगा दी थी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख मुकर्रर की थी। इस फैसले के बाद मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम कर दिये हैं। उसी समय लखनऊ जिला प्रशासन वहां नजर बनाए रखने के लिए 24 घंटे अपने अफसर को तैनात किया था। लखनऊ विकास प्राधिकरण में हुई बैठक में अफसरों ने इलाके में फैलने वाली अलग-अलग तरह के अफवाहों को विराम देने और लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अगली सुनवाई तक 24 घंटे कैंप करने की नीति बनाई थी।

अफसरों की जल्दबाजी पर कोर्ट हुआ था नाराज

कोर्ट ने अपने आदेश में कार्यवाही को लेकर अफसरों की जल्दबाजी पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस पंकज भाटिया की बेंच ने कहा था कि याची जमीन पर अपना स्वामित्व साबित नहीं कर सके हैं, लेकिन वे उस पर लंबे से काबिज हैं, यह साबित है। ऐसे में बिना उन्हें पुनर्वासित किए कार्यवाही नहीं चल सकती।

फोटो: सुमित कुमार

बाढ़ प्रभावित है इलाका : प्रशासन

प्रशासन को दावा है कि अकबरनगर में जिस जगह पर यह मकान बने हैं, वह अधिकतर क्षेत्र कुकरेल नदी का हिस्सा है। वहीं सिंचाई विभाग कि पिछले दिनों आई रिपोर्ट के मुताबिक यह क्षेत्र काफी असुरक्षित है और बाढ़ जैसे हालातों से निपटने के लिए यह जगह ठीक नहीं है। सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक कुकरैल नदी में अगर बाढ़ आई तो पूरा अकबर नगर डूब जाएगा। एलडीए ने हाई कोर्ट में भी इसी रिपोर्ट को पेश किया है।

पुनर्वास योजना में गए कई लोग

इससे पहले जनवरी में एलडीए अकबर नगर में ध्वस्तीकरण को पहुंची। एलडीए और लोगों में जमकर नोकझोंक हुई। हाई कोर्ट ने अकबर नगर में ध्वस्तीकरण पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कोर्ट ने राज्य सरकार व एलडीए से कहा था कि पहले अकबर नगर के लोगों को पुनर्वास योजना में बसाए फिर आगे की कार्रवाई करें। वहीं लोगों को आवेदन के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया था। उधर कोर्ट ने प्रशासन ने कहा था कि लोग जब नए भवनों में चले जाएं, उसके बाद उनके मकान एलडीए अपने कब्जे में लगा।

सारे बड़े अधिकारी और पुलिस फोर्स रहा मौजूद

सोमवार की सुबह से जिला, पुलिस, नगर निगम व प्राधिकरण के सारे अधिकारी मौके पर तैनात है। इससे पहले एलडीए में मंडलायुक रोशन जैकब, डीएम सूर्यपाल गगवार ,एलडीए वीसी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह समेत कई बड़े अधिकारियों ने बैठक कर आगे की रणनीति बनाई। रणनीति के तहत अकबरनगर क्षेत्र में अफसर द्वारा कर्मचारियों की ड्यूटी तय की गई इसके साथ ही एक जोनल अधिकारी को इसका नोडल अधिकारी बनाकर उसकी पूरी जिम्मेदारी दी गई।

बिखरा था गृहस्थी का सामान

कार्रवाई के दौरान अयोध्या रोड पर बुलडोजर के साथ बड़ी तादाद में लोडिंग वाहन भी खड़े रहे। बादशाहनगर से लेखराज मेट्रो स्टेशन तक सड़क के दोनों किनारों पर हाफ डाले नजर आए, जिनमें लोग अपना सामान लादते रहे। इसके साथ सड़क पर हर तरफ लोगों की गृहस्थी का सामान रखा रहा। पुलिस को कार्रवाई देखने वालों को हटाने में भई मशक्कत करनी पड़ी। कुकरैल ओवरब्रिज पर भी लोग खड़े होकर लोग वाहन रोक-रोककर घटनाक्रम देखकर फोटो खींचते रहे। पुलिस और एलडीए की टीम उन्हें हटने के लिए अनाउंसमेंट करती रही।

भाजपा हटाओ, संकट मिटाओ : अखिलेश

» भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुए सपा प्रमुख

» बोले- संविधान विरोधी काम कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश ने आगरा में बीजेपी व मोदी व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा हटाओ, संकट मिटाओ का नारा देते कहा, आज लोकतंत्र और संविधान संकट में है। भाजपा सरकार लोकतंत्र खत्म कर रही है। संविधान विरोधी काम कर रही है। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को जो हक दिया था उसे भाजपा सरकार ने छीना है।

आज देश के सामने लोकतंत्र और संविधान बचाने की चुनौती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, पूरे देश ने देखा कि भाजपा ने कैसे चंडीगढ़ (महापौर चुनाव) में वोट लूटने का काम किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा हारेगी तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा। इंडिया गठबंधन एकजुट है। मजबूत है। एकजुट इंडिया गठबंधन भाजपा के राजग को हराएगा।

अखिलेश से मिलकर मिटाएंगे नफरत : राहुल

राहुल ने अपने संबोधन मे कहा, मै, प्रियंका और अखिलेश मिलकर नफरत को मिटाने निकले है। ये देश मोहब्बत का है। पहली लड़ाई नफरत को खत्म करने की है। नफरत को मोहब्बत से मिटाएंगे। उन्होने कहा, लोगो ने मुझसे कहा है किइस नफरत का कारण अन्याय है। गरीबो और महिलाओ पर अन्याय हो रहा है, इसलिए हमने भारत जोड़ो यात्रा मे न्याय शब्द जोड़ दिया है। राहुल ने कहा किदेश मे पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकवर्ग के करीब 88 प्रतिशत लोग है लेकिन देश की बड़ी-बड़ी कंपनियो केप्रबंधन मे इस वर्ग केलोग नही मिलेगे। उन्होने कहा, ये लोग आपको मनरेगा, अनुबंधित श्रमिक की सूची मे मिलेगे। हमे यही बदलना है और यही सामाजिकन्याय का मतलब है। इससे पहले, अलीगढ़ मे राहुल ने कहा, भारतीय बाजारे मे चीन निर्मित सामान की बाढ़ केकारण देश मे स्वदेशी लघु और कुटीर उद्योग और कारीगर बुरी तरह से पीड़ित हो रहे है, जिसका विपणन बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट समूह के व्यापारियो द्वारा किया जा रहा है। राहुल गांधी ने ताला उद्योग की नगरी अलीगढ़ मे चीन निर्मित सामान की बिक्री का मसला उठाया और स्थानीय कारीगरसे केमर्म को छूने की कोशिश की। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स केअपने आधिकारिक हैडल पर राहुल और प्रियंका की न्याय यात्रा का अलीगढ़ का वीडियो साझा करते हुए कहा, जननायक(राहुल गांधी) और लोकनेत्री (प्रियंका गांधी वाद्रा) केसाथ एकता, भाईचारा और सद्भाव का संदेश देते चलती भारत जोड़ो न्याय यात्रा। यह जनसैलाब आने वाली पीढ़ियो के संदेश देगा किजब कोई तानाशाह देश की अखंडता, संप्रभुता और संविधान को खत्म करने पर आमादा था तो हमने उसे इस यात्रा के माध्यम से रोकने का काम किया था।

अन्याय काल में बेरोजगारी सबसे बड़ा संकट : प्रियंका

यात्रा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, अन्याय काल मे बेरोजगारी सबसे बड़ा संकट बन गई है। उन्होने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, केन्द्र की भाजपा सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर सेना मे जाने की तैयारी कर रहे नौजवानो का सपना तोड़ दिया। बड़ी-बड़ी सरकारी कंपनियां उद्योगपतियो को बेच डाली। प्रियंका ने कहा, लाखो सरकारी पद खाली पड़े है, लेकिन सालो तकभर्तियां नही निक लती, निकलती है तो परीक्षा पत्र लीकले जाता है। उन्होने यह भी दावा किया, भर्तियो मे भ्रष्टाचार है। आज गरीब, मजदूर, किसान, दलित, आदिवासी, पिछड़े और मध्य वर्ग केयुवा निराश है। उनके सामने भविष्य की कोई उम्मीद नही बची है। उन्होने आह्वान किया, आइए, इस अन्याय के खिलाफहम सब एकजुट हो- न्याय का हकमिलने तकलड़ाई जारी रखे।

उन्होंने कहा, आज किसान सरकार के खिलाफ खड़े हैं। सरकार किसानों की ताकत से डरी हुई है। आने वाले समय में भाजपा हटेगी और इंडिया गठबंधन की सरकार किसानों को सम्मान देगी। अखिलेश ने यह भी कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह इतने सालों के बाद भी नहीं मिला है और जो मिल रहा था, उसे भाजपा ने छीन लिया है। यात्रा को पहले अलीगढ़ से हाथरस जाना था लेकिन वहां जाने के बजाय सीधा आगरा पहुंची। टेढ़ी बगिया पर बड़ी संख्या में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे। राहुल, अखिलेश और प्रियंका को देखने के लिए लोग अपने घरों की छतों पर खड़े नजर आए। तीनों नेताओं ने भी उनका अभिवादन स्वीकार किया। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में आगरा में शामिल हुए। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बनने के बाद राहुल गांधी और अखिलेश यादव पहली बार एक साथ नजर आए।

मुस्लिम, दलित व पिछड़ों के साथ हो रही नाइंसाफी : तौकीर

» आईएमसी प्रमुख ने किया तीसरे मोर्चे का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने तीसरे मोर्चे का गठन किया है। उन्होंने इसकी घोषणा दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में एक बैठक के बाद की है। बैठक में मुस्लिम, दलित व पिछड़ा वर्ग से अपने-अपने क्षेत्र में राजनीतिक पहचान रखने वाले दलों के नेताओं के अलावा इंडिया गठबंधन के संभावित सहयोगियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में यह भी तय हुआ कि मुस्लिम, दलित और पिछड़ा वर्ग के साथ हो रही नाइंसाफी के खिलाफ सब एक साथ खड़े होंगे।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के बाद लगा था कि भाजपा को हराने के लिए मजबूत गठबंधन सामने आया है, लेकिन कांग्रेस की नीतियों से गठबंधन बिखरता महसूस हो रहा है। भाजपा और आरएसएस जैसी शक्तियों से मुकाबला करने की क्षमता और इच्छा किसी में नजर नहीं आ रही है। मुस्लिमों, दलितों को नजर अंदाज किया जा रहा है। मौलाना ने कहा कहा कि हमारे हक हमें मिलने चाहिए।

बसपा में मची भगदड़, चार सांसदों ने छोड़ी पार्टी

» रितेश पांडेय बीजेपी में और अफजाल अंसारी सपा में गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की आहट के साथ बहुजन समाज पार्टी के सांसद दूसरा ठौर तलाशने लगे हैं। गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी सपा के पाले में जा चुके हैं तो अंबेडकरनगर से सांसद रितेश पांडेय भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। अमरोहा के सांसद कुंवर दानिश अली और जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होकर खुद को पार्टी से अलग करने का संकेत दे दिया है। सूत्रों की मानें तो लालगंज की सांसद संगीता आजाद भी भाजपा में शामिल हो सकती हैं।

जानकारों के मुताबिक पार्टी के आधे सांसदों का दूसरे दलों में जाना बसपा के लिए बड़ा झटका है। इसकी वजह बसपा का गठबंधन में शामिल नहीं होना बताया जा रहा है। पश्चिमी उप्र की राजनीति में अपनी गहरी पैठ रखने वाली बसपा के सामने दो बड़ी चुनौतियां है। एक ओर भाजपा और रालोद मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो दूसरी तरफ सपा और कांग्रेस। इन हालात में बसपा प्रत्याशियों के लिए जीत के लायक वोट जुटाना आसान नहीं होगा। वहीं बसपा के कुछ सांसद सपा में अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं। घोसी से बसपा सांसद अतुल राय भी किसी ऐसे दल से चुनाव लड़ सकते हैं, जो बड़े दलों का सहयोगी है। सहारनपुर के सांसद हाजी फजलुर्रहमान को भी ऐसे ही हालातों का सामना करना पड़ रहा है। सहारनपुर की सीट कांग्रेस के पाले में जा चुकी है। कांग्रेस इमरान मसूद को प्रत्याशी बनाएगी, इसे लेकर अभी संशय बना हुआ है। इमरान की सियासी डोर कमजोर हुई तो कांग्रेस हाजी फजलुर्रहमान पर दांव आजमा सकती है।

मायावती ने छोटे दलों से गठबंधन करने का विकल्प रखा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने छोटे दलों से गठबंधन करने का विकल्प छोड़ रखा है, लेकिन उनके लिए भी बसपा के बजाय इंडिया गठबंधन ज्यादा मुफीद बना हुआ है। वहीं बचे हुए कई सांसदों को भरोसा नहीं है कि पार्टी उनको दोबारा प्रत्याशी बनाएगी।रविवार को पार्टी सुप्रीमो ने सांसदों को आईना दिखाने का बयान देकर उनकी बेचैनी को बढ़ा दिया है। बसपा के एक सांसद बताते हैं कि पिछला चुनाव सपा के साथ गठबंधन करके लड़ने से पार्टी को अप्रत्याशित सफलता मिली थी। इस बार किसी भी दल से गठबंधन न होने से चुनौती बढ़ती लग रही है। अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लेने का नुकसान पार्टी उठा चुकी है और केवल एक ही विधायक से संतोष करना पड़ा। इन हालात में सभी अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित रखने के लिए फैसला लेने को स्वतंत्र हैं।

हम हैं राही प्यार के...

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

तमिलनाडु की टीएमसी का एनडीए में शामिल होने का ऐलान

» भाजपा के साथ लड़ेगी लोकसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा को तमिलनाडु में एक सहयोगी मिल गया है। दरअसल जीके वासन के नेतृत्व वाली पार्टी तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) ने भाजपा के साथ गठबंधन का एलान किया है। जीके वासन ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि तमिल मनीला कांग्रेस बतौर एनडीए सहयोगी भाजपा के नेतृत्व में आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेगी। वासन ने ये भी कहा कि 27 फरवरी को पीएम मोदी की पालादम में होने वाली रैली में वह भी शामिल होंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में भाजपा का यह पहला आधिकारिक गठबंधन है। तमिल मनिला कांग्रेस ने तमिलनाडु का 2021 का विधानसभा चुनाव भी एआईएडीएमके और भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ा था। टीएमसी ने संकेत दिए हैं कि वे एआईएडीएमके के साथ अपना गठबंधन तोड़ लेंगे। हालांकि वासन ने साफ किया कि गठबंधन आने वाले दिनों में आकार लेगा और अभी सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला होना है। मीडिया से बात करते हुए जीके वासन ने कहा कि हमें लगता है कि देश का आर्थिक विकास और सुरक्षा समय की जरूरत है।

लोस चुनाव-24 पर लगी सबकी निगाह

कांग्रेस लोकतंत्र को बचाने की दुहाई पर जाएगी जनता के बीच

» इंडिया व राजग गठबंधनों ने कसी कमर

» बीजेपी धर्म की ओट में बटोरेगी वोट

» गठबंधन की कवायद में जुटी एआईएडीएमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव से पहले सभी सियासी दल अपनी-अपनी रणनीति पर लग गए हैं। जहां सत्ता में बैठी बीजेपी धर्म की आड़ में 2024 लोकसभा चुनाव की वैतरणी पार करने की फिराक में लगी है। तो विपक्ष भी उसकी पोल खोल अभियान में लगा हुआ है। साथ ही विपक्षी दल पूरे देश में अपने गठबंधन इंडिया को मजबूती देने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस ने यूपी, दिल्ली, पंजाब से लेकर दक्षिण तक अपने सहयोगियों को सहेजना शुरू कर दिया है। वह हर हाल में बीजेपी की सरकार को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए जी-जान लगा रही है। अभी हाल के दिनों में नीतीश व जयंत के बाहर जाने के बाए ऐसा लग रहा था कि इंडिया गठबंधन कमजोर पड़ेगा पर कांग्रेस के प्रयासों से वह एकबार फिर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष अच्छे नतीजे को लेकर सकारात्मक हैं। इस बीच, माना जाता है कि भाजपा ने भी अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है।

अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में है। यही कारण है कि पार्टी अपने पूर्व सहयोगी पीएमके, जो तमिलनाडु के उत्तरी जिलों में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत है, के साथ गहन बातचीत कर रही है। बताया जा रहा है कि अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने के इच्छुक हैं। पीएमके अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास के धर्मपुरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है, क्योंकि उनका राज्यसभा कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष अच्छे नतीजे को लेकर सकारात्मक हैं। इस बीच, माना जाता है कि भाजपा ने भी एक पैकेज की पेशकश की है जिसमें 12 लोकसभा सीटें, दो राज्यसभा सीटें और पीएमके के लिए एक कैबिनेट बर्थ शामिल है। अन्नाद्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बातचीत समाप्त नहीं हुई है और अब तक की बातचीत दोनों पक्षों के लिए सकारात्मक रही है। पीएमके कैडर और पदाधिकारी अन्नाद्रमुक और पीएमके को गठबंधन करते हुए देखने के इच्छुक हैं। पीएमके के तीन विधायकों, सदाशिवम (मेट्टूर), सी शिवकुमार (मैलम), एसपी वेंकटेश्वरन (धर्मपुरी) ने ग्रीनवेज़ रोड पर अपने पड़ोसी और सामाजिक कल्याण मंत्री पी गीता जीवन से मिलने के बाद पलानीस्वामी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इससे पहले, अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री और आरएस सांसद सी वे शनमुगम को विल्लुपुरम जिले में पीएमके संस्थापक रामदास के थाइलापुरम आवास पर तैनात करके बातचीत शुरू की थी। सूत्रों ने कहा कि पीएमके के एक विधायक ने हाल ही में पीएमके नेतृत्व के दूत के रूप में पलानीस्वामी से चार बार मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच शुरू में बातचीत सीटों की संख्या पर पहुंचने के फॉर्मूले के इर्द-गिर्द घूम रही थी। अगर यह अन्नाद्रमुक के साथ समझौता करती है, तो पीएमके नेताओं का कहना है कि पार्टी निश्चित रूप से धर्मपुरी के अलावा, आरक्षित सीट चिदंबरम और कुड्डालोर से चुनाव लड़ेगी, जहां 2021 में अन्नाद्रमुक-पीएमके गठबंधन ने सभी पांच विधानसभा सीटें जीती थीं। उत्तर में विल्लुपुरम और कल्लाकुरिची, दक्षिण में डिंडीगुल और विरुधुनगर, क्योंकि पीएमके कल्लाकुरिची और विरुधुनगर को लेकर उत्सुक है।

मोदी के बंगाल दौरे से पहले हो सकता है कांग्रेस-तृणमूल में सीट शेयरिंग का एलान

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी के बीच में सीटों के तालमेल को लेकर प्रयास तेज हो गए हैं। कांग्रेस के एक संकट मोचक ने भी इनिशिएटिव ले लिया है। सूत्र बताते हैं कि सब ठीक रहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशखाली दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे सकता है। प्रधानमंत्री 1-2 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं और वह संदेशखाली भी जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने भी कहा कि अभी गठबंधन की संभावना खत्म नहीं हुई है। सूत्र का कहना है कि राजनीति में कुछ बंद नहीं होता। वैसे भी ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन को मजबूती देने वाले नेताओं में हैं। पश्चिम बंगाल के कांग्रेस की पूर्व सांसद दीपादास मुंशी इस समय तेलंगाना और केरल के दौरे पर हैं। दीपादास मुंशी कहती हैं कि अभी इसके बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं है। वह केवल पहले की स्थिति

जानती हैं। इसमें तृणमूल कांग्रेस पार्टी को केवल दो सीट दे रही थी। बदले में दूसरे राज्य में तृणमूल सीटें मांग रही थी। कोई नई बात हो रही हो तो नहीं कह सकते। इतना जरूर है कि 2024 में एनडीए को सत्ता से हटाने के लिए सभी धर्म निरपेक्ष दलों को अपने निजी हितों से ऊपर उठकर एक मंच पर आना चाहिए। संदेशखाली प्रकरण के बाद माना जा रहा है कि इंडिया गठबंधन को पश्चिम बंगाल में जल्द मजबूती मिल सकती है। संदेशखाली प्रकरण के बाद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी काफी तिलमिलाई हैं। वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए भाजपा को करारा जवाब देना चाहती हैं। ऐसे में कांग्रेस से सीटों के तालमेल को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी के नेता भी चाहते हैं कि अब धर्म निरपेक्ष दल तेजी से तालमेल को अंतिम रूप दें, क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी होने में तीन सप्ताह से भी कम समय रह गया है।

दिल्ली में कांग्रेस-आप में डील सील

लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। संयुक्त प्रेस वक्तव्य में पांच राज्यों के लिए सीट बंटवारे का एलान किया गया है। आप और कांग्रेस के बीच दिल्ली, हरियाणा, गोवा, गुजरात और चंडीगढ़ की सीटों को लेकर आपसी सहमति बन गई है। बता दें कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से चार पर आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी और तीन सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमाएंगे। इसके अलावा आप और कांग्रेस ने पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ने का एलान किया है। कांग्रेस महासचिव और सांसद मुकुल वासनिक ने बताया कि कांग्रेस और आप के बीच आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर लंबी चर्चा के बाद अंत में यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस का उम्मीदवार वहां से चुनाव लड़ेगा।

संदेशखाली प्रकरण ने तृणमूल को काफी नुकसान पहुंचाया

भाजपा की नेता अग्निमित्रा पॉल कहती हैं कि संदेशखाली में महिलाओं से बलात्कार हुआ है। इससे बुरा कुछ और हो सकता है क्या? लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौन हैं? भाजपा पश्चिम बंगाल में बहुत आक्रामक है। सुवेंदु अधिकारी ने भी पश्चिम बंगाल की सरकार पर इसे लेकर काफी आक्रामक रुख अपनाया है। तृणमूल के सांसद भी मानते हैं कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले संदेशखाली की घटना ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि को चोट पहुंचाई है। कांग्रेस के सांसद भी संदेशखाली प्रकरण को राज्य की तृणमूल सरकार के लिए अच्छा नहीं बता रहे हैं। कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीररंजन चौधरी तो बाकायदा संदेशखाली जाने के लिए निकल पड़े थे। जब अधीर को पुलिस ने रोका तो वहीं धरने पर बैठ गए थे। अधीर रंजन चौधरी और ममता बनर्जी में 36 का आंकड़ा रहता है। अधीर से नाराजगी को लेकर ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 40 सीटों से भी नीचे आने की भविष्यवाणी कर दी थी।

भाजपा के खाते में अधिकतम 3 या चार सीट आएंगी : टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का कहना है कि पश्चिम बंगाल से कांग्रेस 2 सीटों से अधिक जीतने की स्थिति में नहीं है। भाजपा के बारे में सूत्र का कहना है कि इस बार 2019 नहीं दोहराया जाएगा। भाजपा के खाते में अधिकतम 3 या चार सीट आएंगी। जबकि तृणमूल कांग्रेस 35 से 36 सीटों को जीतने की क्षमता रखती है। लेकिन सूत्र का कहना है कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच में गठबंधन के बाद भाजपा को बमुश्किल 01 सीट ही मिल पाएगी। इसलिए हम तो इंडिया गठबंधन के पक्ष में हैं। धर्म निरपेक्ष दलों को साथ आना चाहिए। बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस को जिम्मेदारी के साथ आगे आना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव को भी काफी उम्मीदें हैं।

यूपी में किसानों से धैर्य रखने की अपील

अमरोहा में मौजूद चौधरी ने हाकमपुर ग्राम प्रधान विशाल और 24 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में मारे गए राजन और मनोज के परिजनों से उनके घर जाकर मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। चौधरी, जो हाल तक इंडिया गुट में सहयोगी थे, ने अपने पिता, पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा के मद्देनजर समूह छोड़ दिया। राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों से धैर्य बरतने को कहा और कहा कि समाधान जरूर निकलेगा। चौधरी ने पंजाब और हरियाणा की खनौरी सीमा पर किसान-पुलिस झड़प के दौरान एक युवा किसान की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान धैर्य

से काम लें, समाधान जरूर निकलेगा। हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। चौधरी, जो हाल तक इंडिया गुट में सहयोगी थे, ने अपने पिता, पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा के मद्देनजर समूह छोड़ दिया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अन्य दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पर सीबीआई छापे पर सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, %%यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब रुकेगा युवाओं के साथ छल

प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक को रोकने के लिए बड़ी-बड़ी बातें होती हैं पर सब हवा हवाई ही साबित होते हैं। यूपी जहां कि योगी सरकार ने दावा किया था परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाएंगी पर 60 हजार पुलिस कर्मियों की नियुक्ति के लिए गत हफ्ते ली गई परीक्षा का पेपर लीक हो गया । उसके बाद अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद करवाने के लिए एक बड़ा आंदोलन किया जिसके बाद योगी सरकार झुकना पड़ा और परीक्षा को रद करना पड़ा। अब आगे परीक्षा करवाने की सरकार द्वारा बात कही जा रही है। सवाल यह नहीं पेपर लीक क्यों हुआ। प्रश्न यह है सरकार के दावे की हवा क्यों निकली। हर मंच से राज्य सरकार व केंद्र सरकारें युवाओं के प्रति ईमानदारी से प्रतियोगी परीक्षाओं को करवाने का दम भरती है। पर धांधली व पेपर लीक की खबरों ने युवाओं के मनोबल को तोड़ दिया है। अब सरकारों को गंभीरता से इस पर ध्यान देना होगा कि आने वाले समय में युवाओं के साथ छल न हो। हालांकि उत्तर प्रदेश में पुलिस परीक्षा का पेपर लीक को लेकर भारी बवाल को देखते हुए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम योगी ने छात्रों की शिकायत के बाद यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को रद्द करने का एलान किया है।

छह महीने के अंदर एक बार फिर से ये परीक्षा आयोजित की जाएगी। जल्द ही पुलिस भर्ती बोर्ड की ओर से इसकी घोषणा कर दी जाएगी। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद सीएम योगी ने यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 को निरस्त कर दिया है। सीएम योगी ने साफ़ कहा है कि 6 माह के भीतर ही पूर्ण शुचिता के साथ इस परीक्षा को फिर से आयोजित किया जाएगा। सीएम ने परीक्षा में धांधली करने वालों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई का भी भरोसा दिलाया। युवाओं की मेहनत और परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। उधर परीक्षा की गोपनीयता को भंग करने वाले एसटीएफ की रडार में हैं। ज्ञात हो कि यूपी पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर चयन के लिए आयोजित परीक्षा-2023 को निरस्त करने तथा आगामी 06 माह के भीतर ही पुन: परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं, परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे, ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है। पुलिस भर्ती परीक्षा लीक मामले की जांच एसटीएफ को सौंप दी गई है, आपको बता दें कि परीक्षा के बाद से परीक्षार्थी लगातार पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। अब देखना होगा केवन खानापूर्ति करके मामले को रफा-दफा न कर दिया जाए।

“ सवाल यह नहीं पेपर लीक क्यों हुआ। प्रश्न यह है सरकार के दावे की हवा क्यों निकली। हर मंच से राज्य सरकार व केंद्र सरकारें युवाओं के प्रति ईमानदारी से प्रतियोगी परीक्षाओं को करवाने का दम भरती है। पर धांधली व पेपर लीक की खबरों ने युवाओं के मनोबल को तोड़ दिया है। अब सरकारों को गंभीरता से इस पर ध्यान देना होगा कि आने वाले समय में युवाओं के साथ छल न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिना विस्थापन के जल संकट होगा दूर

पंकज चतुर्वेदी

प्यास-पलायन-पानी के कारण कुख्यात बुंदेलखंड में हजार साल पहले बने चन्देलकालीन तालाबों को छोटी सदानीर नदियों से जोड़ कर मामूली खर्च में कलंक मिटाने की योजना आखिर हताश होकर ठप्प हो गई। ध्यान दें बीते ढाई दशकों से यहां केन और बेतवा नदियों को जोड़कर इलाके को पानीदार बनाने के सपने बेचे जा रहे हैं। हालांकि पर्यावरण के जानकार बताते रहे हैं कि इन नदियों के जोड़ से बुंदेलखंड तो घाटे में रहेगा लेकिन कभी चार हजार करोड़ की बनी योजना अब 44 हजार 650 करोड़ की हो गई है। सन ? 2010 में पहली बार जामनी नदी को महज सत्तर करोड़ के खर्च से टीकमगढ़ जिले के पुश्तैनी विशाल तालाबों तक पहुंचाने और इससे 1980 हेक्टेयर खेतों की सिंचाई की योजना तैयार की गई। इस योजना में न तो कोई विस्थापन होना था और न ही कोई पेड़ काटना था। सन 2012 में काम भी शुरू हुआ लेकिन आज करोड़ों खर्च के बाद न नहर है न ही सिंचाई।

विडंबना, देश की सभी बड़ी परियोजनाएं कभी भी समय पर पूरी होती नहीं हैं। उनकी लागत बढ़ती जाती है और जब तक वे पूरी होती हैं, उनका लाभ, व्यय की तुलना में गौण हो जाता है। यह भी तथ्य है कि तालाबों को बचाना, उनको पुनर्जीवित करना अब अनिवार्य हो गया है और यह कार्य बेहद कम लागत का है और इसके लाभ अपार हैं। केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना को फौरी तौर पर देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि इसकी लागत, समय और नुकसान की तुलना में इसके फायदे नगण्य ही हैं। जाहिर है कि जब केन के जल ग्रहण क्षेत्र में अल्प-वर्षा या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी। वैसे भी केन का इलाका पानी के भयंकर संकट से जूझ रहा है। सन् 1990 में केंद्र की एनडीए सरकार ने नदियों के जोड़ के लिए एक अध्ययन शुरू करवाया था और इसके लिए केन बेतवा को चुना गया था।

सन् 2007 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस परियोजना में पन्ना नेशनल पार्क के हिस्से को शामिल करने पर आपत्ति जताई। हालांकि, इसमें कई और पर्यावरणीय संकट हैं लेकिन सन् 2010 जाते-जाते सरकार में बैठे लोगों ने प्यासे बुंदेलखंड को एक चुनौतीपूर्ण प्रयोग के लिए चुन ही लिया। केन-बेतवा के जोड़ की योजना को सिद्धांततया मंजूर होने में ही 24 साल लग गए। उल्लेखनीय है कि राजघाट परियोजना का काम जापान सरकार से प्राप्त कर्जे से अभी भी चल रहा है। इसके बांध की लागत 330 करोड़ से अधिक तथा बिजलीघर की लागत लगभग 140 करोड़ है। यह बात भारत सरकार स्वीकार कर रही है कि नदियों के जोड़ने पर यह पांच सौ करोड़ बेकार हो जाएगा। टीकमगढ़ जिले में अभी चार दशक पहले तक हजार तालाब हुआ करते थे। यहां का कोई गांव ऐसा नहीं था जहां कम से कम एक बड़ा-सा सरोवर नहीं था, जो वहां की प्यास, सिंचाई सभी जरूरतें पूरी करता था। आधुनिकता की आंधी में एक-चौथाई तालाब चौरस हो गए और जो बचे तो वे रखरखाव के अभाव में बेकार हो गए। जामनी नदी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकल कर कोई 201 किलोमीटर का सफर तय कर टीकमगढ़ जिले में ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि यदि बम्होरी बराना के चंदेलकालीन तालाब को नदी के हरपुरा बांध के पास से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे। इससे 18 गांवों के 1800 हेक्टेयर खेत सींचे जाएंगे। यही नहीं, नहर के किनारे कोई 100 कुएं बनाने की भी बात थी जिससे इलाके का भूगर्भ स्तर बना रहता। अब इस योजना पर व्यय है महज कुछ करोड़, इससे जंगल, जमीन को नुकसान कुछ नहीं है, विस्थापन एक व्यक्ति का भी नहीं है।

इसको पूरा करने में समय कम लगता।

इसके विपरीत नदी जोड़ने में हजारों लोगों का विस्थापन, घने जंगलों व सिंचित खेतों का व्यापक नुकसान, साथ ही कम से कम से 10 साल का काल लग रहा है। समूचे बुंदेलखंड में पारंपरिक तालाबों का जाल है। आमतौर पर ये तालाब एक-दूसरे से जुड़े हुए भी थे, यानी एक के भरने पर उससे निकले पानी से दूसरा भरेगा, फिर तीसरा। इस तरह बारिश की हर बूंद सहेजी जाती थी। यह समझना होगा कि देश में जल संकट का निदान स्थानीय और लघु योजनाओं से ही संभव है। ऐसी योजनाएं जिसे स्थानीय समाज का जुड़ाव हो और यदि जामनी नदी से तालाबों को जोड़ने का काम सफल हो जाता तो सारे देश में एक बड़ी परियोजना से आधे खर्च में नदियों से तालाबों को जोड़कर खूब पानी उपलब्ध कराया जाता। शायद तालाबों पर कब्जा करने वाले, बड़ी योजनाओं में ठेके और अधिग्रहण से मुआवजा पाने वालों को यह रास नहीं आया।

एंटीबायोटिक नियमन से बढ़ेगी जीवाणु प्रतिरोधक क्षमता

राकेश कोछड़

केंद्र सरकार ने हाल ही में मेडिकल कॉलजों को हिदायत दी है कि डॉक्टर रोगी-परामर्श पर्चे पर जो दवाएं लिखकर दें, उनमें यदि कोई एंटीबायोटिक्स है तो उसको विशेष रूप से चिन्हित करें। वहीं दवा विक्रेताओं और दवाघरों को सलाह दी है कि चिकित्सक के लिखे बगैर कोई एंटीबायोटिक दवा न दी जाए। यह निर्देश देश में एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) बढ़ने के मद्देनजर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में एएमआर की रफ्तार असामान्य है और अब यह विश्वभर में एएमआर का गढ़ बन चुका है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) द्वारा 20 अस्पतालों में नवम्बर, 2021 से अप्रैल, 2022 के बीच करवाए अध्ययन में चिंताजनक आंकड़े मिले हैं। कुल 9600 से अधिक रोगियों पर अध्ययन हुआ, इनमें 72 फीसदी एक न एक एंटीबायोटिक दवा का सेवन कर रहे थे, तो बाकी के दो या इससे अधिक का।

महत्वपूर्ण यह कि 55 प्रतिशत मरीजों को एंटीबायोटिक दवा बीमारी का इलाज करने के लिए नहीं अपितु संक्रमण से बचाने के लिए दी गई। यह डाटा देशभर में इलाज के मौजूदा चलन का नमूना पेश करता है। खांसी, जुकाम, गला पकड़ना और दस्त जैसी बीमारी कुछ दिनों में अपने-आप ठीक हो जाती है और अधिकांशत: इसके पीछे कारण होता है वायरल इंफेक्शन, इनके निदान को एंटीबायोटिक देने की जरूरत नहीं। प्रयागराज (2013) और नासिक (2015) के कुम्भ के दौरान, मेला-क्लीनिक पहुंचने वाले 70000 से अधिक मरीजों पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिसेफ ने अध्ययन किया था। प्राप्त डाटा में, इलाज करवाने आए लोगों में लगभग एक-तिहाई को एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं। प्रयागराज में कुल मरीजों में 70 फीसदी को सांस संबंधी लक्षण थे, जिनका इलाज एंटीबायोटिक से किया गया।

एएमआर गंभीरतम वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि एएमआर-माइक्रोआर्गेनिज्म के तंतुओं में होने वाला वह क्रमिक विकासानुगत बदलाव, जिस पर परंपरागत एंटीबायोटिक बेअसर सिद्ध हो रहे हैं- एक वैश्विक जनस्वास्थ्य खतरा बन सकता है। रोग-जीवाणुओं में पैदा हुई इस किस्म की प्रतिरोधक क्षमता से वर्ष 2019 में भारत में कम से कम 3 लाख तो दुनियाभर में लगभग 12.7 लाख मौतें हुईं। वर्ष 2050 तक यह संख्या 5 करोड़ तक पहुंचने की आशंका है। आवाजाही के साधनों में आसानी की वजह से सारी दुनिया सिमटकर रह गई है, लेकिन लोगों के साथ, उनके अंदर मौजूद सूक्ष्म रोग जीवाणु, जिन पर दवाएं असर न कर पा रही, वे भी एक महाद्वीप से दूसरे तक तेजी से फैल रही हैं, जैसा कि कोविड-19 महामारी के मामले में देखा गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक दवाओं को तीन श्रेणियों में बांट रखा है, एक्सेस, वॉच और रिजर्व। इनमें बाद वाले दो वर्ग के एंटीबायोटिक विशिष्ट लक्षण बनने पर ही दिए जाते हैं। एक्सेस वर्ग के एंटीबायोटिक, किन्हीं जीवाणुओं को विशेष रूप से निशाना बनाने वाले सम्मिश्रण से बने हैं और इनके प्रयोग से एएमआर बनने की संभावना कम होती है, रोगोपचार में यह प्रथम पंक्ति के एंटीबायोटिक हैं।

एनसीडीसी सर्वे बताता है कि भारत में डॉक्टरों द्वारा लिखी गई 60 फीसदी एंटीबायोटिक दवाएं वॉच या फिर रिजर्व श्रेणी की होती हैं। एंटीबायोटिक अधिक देने से जीवाणुओं के अंदर प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है। इससे संक्रमण के अगले रूपांतरों पर दवाएं बेअसर हो जाएंगी। ड्रग एंड कॉस्मैटिक रूल्स 1945 के मुताबिक एंटीबायोटिक शिड्यूल एच/एच 1 श्रेणी में आते हैं। अतएव इनकी बिक्री केवल पंजीकृत स्वास्थ्य चिकित्सक की रोग-परामर्श पर्ची के आधार पर हो सकती है। तथापि भारत में दवा विक्रेता अक्सर अपने तौर पर एंटीबायोटिक दवाएं दे देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2015 में एक वैश्विक कार्य योजना बनाई थी और भारत ने 2017 में एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम के साथ इसका अनुसरण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हिदायतें हैं कि उच्चतर श्रेणी के एंटीबायोटिक का प्रयोग संक्रमण रोग विशेषज्ञों के विवेकानुसार होना चाहिए। लेकिन भारत में इस किस्म के प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाकर्मी बहुत कम हैं। एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल से एएमआर बनने का जोखिम केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है। विभिन्न कारणों से पशुओं-पक्षियों को भी एंटीबायोटिक अक्सर दिए जाते हैं।

इसलिए कोई हैरानी नहीं कि दूध, अंडे और मछली के बैक्टीरियल कल्चर टेस्ट में दवा-प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर चुके जीवाणु पाए जाते हैं। विभिन्न जल स्रोतों के सैम्पल में भी यही कुछ हो रहा है, वहां ऐसे जीवाणुओं की आमद दवा-उद्योग, अस्पताल से निकलने वाले पानी, सीवरेज और घरेलू अपशिष्ट से होती है। खुले में शौच एक अन्य कारक है, क्योंकि मल-मूत्र के जरिए शरीर से निकली एंटीबायोटेक दवा भूमि में समाकर भूजल में जा मिलती है। इस संदूषित जल को मनुष्य और पशु पुन: पीते हैं। और इस तरह एंटीबायोटिक से अप्रभावित रहने वाला जीवाणु जोखिम का एक सतत चक्र बना रहा है। हालांकि जिन अस्पतालों में एंटीबायोटिक को लेकर अध्ययन हुआ, पाया गया कि एंटीबायोटिक के उपयोग में कमी आई है, किंतु छोटे और ग्रामीण इलाके में स्थिति बदतर है। प्रशिक्षित कर्मियों और गुणवत्तापूर्ण परीक्षणशालाओं की कमी है। झोला-छाप और अर्ध-प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी इस काम में सबसे आगे हैं।

दाल पीठा

नाश्ते से लेकर लंच और इवनिंग स्नैक्स तक के लिए है बेस्ट

वजन कम करने के प्रोसेस में हैं तो एक्सरसाइज के साथ डाइट का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ब्रेकफास्ट से लेकर लंच और डिनर तक को हेल्दी और बैलेंस रखना जरूरी है। आज हम आपको एक ऐसी डिश बताएंगे जिसे आप अपनी वेट लॉस जर्नी में शामिल कर सकते हैं। ये है बिहार की ट्रेडिशनल डिश दाल पीठा। वजन कम करने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स सबसे पहले डाइट कंट्रोल करने की सलाह देते हैं और नो डाउट आपको ओवरऑल फिट रखने में लगभग 80 प्रतिशत डाइट का और 20 प्रतिशत एक्सरसाइज का रोल होता है। हेल्दी और बैलेंस डाइट लेने से सिर्फ वजन ही कंट्रोल में नहीं रहता, बल्कि इससे और भी कई सेहत संबंधी समस्याओं से बचे रहा जा सकता है। स्टीमिंग, ग्रिलिंग और रोस्टिंग को खाना पकाने का सबसे हेल्दी तरीका माना जाता है, लेकिन इन तरीकों से बनी डिशेज में कई बार स्वाद की कमी रह जाती है। ये बिहार की पारंपरिक डिश दाल पीठा, जिसे फरा भी कहते हैं। चावल के आटे और दाल से बनाई जाने वाली इस डिश को आप ब्रेकफास्ट से लेकर लंच और ईवनिंग स्नैक्स में भी खा सकते हैं।

भरावन की सामग्री 1 कप चना दाल, 1 छोटा चम्मच साबुत जीरा, 1 छोटा चम्मच अदरक कसा हुआ, 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी, 1/4 कप हरा धनिया बारीक कटा, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटा चम्मच भुना जीरा, 1/2 छोटा चम्मच अमचूर, 2 छोटे चम्मच तेल और नमक स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले चना दाल को रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह इसमें धनिया, हरी मिर्च और लहसुन की कलियां डालकर पीस लें। बहुत स्मूद पेस्ट नहीं बनाना है। हल्का दरदरा रख सकते हैं। क्योंकि मौसम हरी सब्जियों का है, तो आप इसमें हरी लहसुन की पत्तियों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक पैन में पानी गर्म करें। इसमें चावल का आटा, काली मिर्च और एक चम्मच तेल डालें। लगातार चलाते रहें जब तक कि चावल का आटा पूरा पानी सोख न लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकालकर हल्का गूंध लें। इस आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं, उसमें चना दाल वाला मिश्रण भरें। ऐसे ही सारे पीठे को तैयार कर लें। अगर आपके पास स्टीमर है तो बेस्ट वरना फिर एक पैन में पानी गरम करें उसमें आटे छानने वाली चलनी को सेट करें और उसके ऊपर इन पीठे को सेट करें। ऊपर से ढककर कम से कम 10-15 पकने दें। सारे पीठे को ऐसे तैयार कर लेंगे। फिर कड़ाही में करी पत्ते, राई का तड़का लगाएं और उसमें इन पीठे को सॉते कर लें। हरी चटनी के साथ सर्व करें।

सामग्री

1/2 कप चावल, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक और 1 बड़ा चम्मच तेल।

घर पर ही तैयार करें मस्टर्ड सॉस

वैस तो इसे ज्यादातर डिपिंग सॉस के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है लेकिन आप इसे सैलेड चपाती चावल फ्राइड फूड्स टाकोज के साथ भी सर्व कर सकते हैं। स्वाद में जबरदस्त होने के साथ ही मस्टर्ड सॉस सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। मस्टर्ड सॉस का इस्तेमाल ज्यादातर डिपिंग और ड्रेसिंग के तौर पर किया जाता है। इसकी थोड़ी सी ही मात्रा डिश का जायका बढ़ा देती है। कॉन्टिनेंटल फूड में इसका और भी ज्यादा इस्तेमाल होता है। सरसों के छोटे-छोटे दानों में आयरन, कैल्शियम, विटामिन, पोटैशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और सेलेनियम सेहत संबंधी कई समस्याओं से दूर रखते हैं खासतौर से हार्ट से जुड़ी बीमारियों से।

मस्टर्ड सॉस के फायदे

सरसों के बीज एंटी इंफलामेट्री गुणों से भरपूर होते हैं, जिससे ये स्किन से जुड़ी समस्याएं दूर करते हैं। इनके छोटे-छोटे बीजों में कई सारे एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के साथ ही टाइप-2 डायबिटीज और हार्ट प्रॉब्लम्स को दूर रखते हैं।

सामग्री

2 चम्मच- पीली सरसों के दाने, 2 चम्मच- काली सरसों के दाने, 1/4 चम्मच- दालचीनी पाउडर, 1 चम्मच- शहद, 2 चम्मच- सिरका, 1/4 चम्मच- हल्दी, 1/4 चम्मच- देगी मिर्च, नमक स्वादानुसार।

विधि

इस सॉस को बनाने के लिए पीली और काली दोनों तरह की सरसों का इस्तेमाल होता है। बारी- बारी से दोनों सरसों को पीस लें। दोनों को एक बाउल में निकाल लें। मिक्सर जार में पिसे सरसों के पाउडर लें। इसमें हल्दी, नमक, मिर्च पाउडर के साथ अदरक के 3 से 4 टुकड़े भी डालें। सारी चीज़ों को अच्छी तरह पीस लें। अब इस पाउडर में सिरका डालकर एक बार फिर पीस लें। ध्यान रहे सॉस गाढ़ा होना चाहिए न कि बहुत ज्यादा लिक्विड। पेस्ट ज्यादा गाढ़ा हो, तो इसमें आवश्यकतानुसार पानी मिला लें। सॉस को एक बाउल में निकाल लें, क्योंकि सरसों का स्वाद तीखा होता है, तो इससे स्वाद आपका अच्छा न लगे। इसके लिए इसमें शहद मिलाएं। स्वादानुसार इसमें शहद और नमक मिला लें। डिप, ड्रेसिंग जैसे चाहे वैसे इस्तेमाल करें।

हंसना मना है

टीचर- तुम पंछी के बारे में सब जानते हो? टप्पू- हां टीचर, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा पंछी उड़ नहीं सकता? टप्पू- मरा हुआ पंछी, दे थप्पड़....दे थप्पड़। टप्पू की बात सुनकर टीचर ने उसे भरी क्लास में मुर्गा बना दिया...

80 साल की एक बुजुर्ग महिला ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी लगाई। जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा- इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं? महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज- वो कैसे? महिला- इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं। और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपनी कान की मशीन निकाल लेते हैं...

पति-जज साहब मुझे अपनी बीवी से तलाक चाहिए। जज-पर क्यों? पति-जज साहब, जब से मेरी बीवी आई है। तब से कुछ भी बात नहीं कर रही है। जज-एक बार फिर सोच ले, ऐसी बीवी सिर्फ किस्मत वालों को ही नसीब होती है...

कहानी — मूर्खों का बहुमत

किसी जंगल में एक उल्लू रहता था। उसे दिन में कुछ दिखाई नहीं देता था, इसलिए वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार गर्मियों का मौसम था। दोपहर का समय था और बहुत तेज धूप थी। तभी कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदर ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। आकाश में सूर्य भी आग के किसी बड़े गोले की तरह चमक रहा है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा कि यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला कि भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है, तो दिन में सूर्य ही चमकेगा। यही कारण है कि सूर्य की तेज रोशानी की वजह से बहुत ज्यादा गर्मी हो रही है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा कि चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और बंदर ने उनसे कहा कि दिन में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लू की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा कि नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिसे देखर सभी उल्लू गुस्सा हो गए और वे सारे के सारे बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें।

वृषभ

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा।

मिथुन
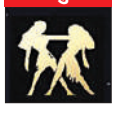
फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं।

सिंह

कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें।

कन्या

घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

कुम्भ

नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मीन

विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

दिव्या खोसला के क्रिप्टिक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बढ़ाई हलचल

दिव्या खोसला कुमार बीते कई दिनों से लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में उनके इंस्टाग्राम हैंडल पर कुमार टाइटल नजर न आने पर कयास लगने लगे थे कि भूषण कुमार और अभिनेत्री के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। साथ ही, यह भी कहा जा रहा था कि वे तलाक लेने जा रही हैं।

हालांकि, टी-सीरीज के प्रवक्ता ने बताया था कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक चल है। जारी किए गए बयान में उन्होंने इस खबरों को महज एक अफवाह करार दिया था। इस बीच अभिनेत्री का एक सोशल मीडिया पोस्ट ने फिल्मी गलियारे में हलचल मचा दी है। हाल ही में दिव्या ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक फोटो स्टोरी साझा की है। इसमें वे अपनी दिवंगत मां के साथ नजर आ रही हैं। पोस्ट में उन्होंने क्रिप्टिक नोट लिखा है। अभिनेत्री ने लिखा, सिर्फ आपके बारे में सोच रही हूं। आपको के लिए बहुत कुछ है।

इस पोस्ट को लेकर एक बार फिर से तरह-तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। दिव्या और भूषण की शादी को 19 साल हो चुके हैं। फिल्म अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थी। इसके बाद दोनों ने जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में सात फेरे ले लिए थे। दिव्या की उम्र उस समय महज 21 साल थी। शादी के छह साल बाद उन्होंने बेटे रुहान को जन्म दिया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या को आखिरी बार साल 2023 में यारियां 2 में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ मिजान जाफरी, यश दास गुप्ता और पर्ल वी पुरी नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन राधिका राव और विनय ने किया था। हालांकि, यह फिल्म पहले भाग की तरह बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी।

डॉन-3 को लेकर काफी उत्साहित हैं कियारा

कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी प्रोफेशलन लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म डॉन-3 में कियारा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। वहीं, अब हाल ही में कियारा ने अपनी एक्शन फिल्म डॉन-3 के बारे में खुलकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनकी पहली एक्शन फिल्म होगी।

कियारा ने डॉन-3 में काम करने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर के लिए अच्छा निर्णय है। बहुत समय से मैं एक ही शैली में काम कर रही थी। हालांकि, मैं अब कुछ अलग किरदार करने के बारे में सोच रही थी। अब मुझे वह अवसर मिल गया है। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए उत्सुक हूं। डॉन-3 के लिए मुझे काफी तैयारी करनी होगी। हालांकि, मैंने कभी कोई एक्शन फिल्मों में काम नहीं किया है। यह पहली बार है, जब मैं किसी एक्शन फिल्म में काम करने जा रही हूं

अभिनेत्री ने आगे बताया कि शादी के बाद उन्होंने अपने करियर की दो सबसे बड़ी फिल्में साइन की हैं। जहां ऐसी खबरें हैं कि कियारा वॉर- 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी, वहीं रणवीर सिंह के साथ डॉन-3 में मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। कियारा ने कहा, मैं कह सकती हूं कि शादी के बाद मैंने अपनी दो सबसे बड़ी फिल्में साइन की हैं। शादी के बाद भी मेरी करियर अच्छे से आगे बढ़ रहा है, जो बहुत कुछ कहता है। बेशक, आज बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियां शादीशुदा हैं। यह महिलाओं के लिए एक सकारात्मक बदलाव है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉन-3 की शूटिंग इस साल अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। फिलहाल फिल्म की टीम प्री-प्रोडक्शन की तैयारियां जोर शोर से कर रही हैं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, डॉन 3 की टीम फिलहाल इस फिल्म की कास्टिंग कर रही है और इसका प्री-प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

लोकप्रिय फिल्मी हस्तियां लोगों के फोन हैक करती हैं : कंगना

कंगना रणौत अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपनी बातों को बेबाकी से रखने के लिए भी जानी जाती हैं। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर साझा कर अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि लोकप्रिय फिल्मी हस्तियां व्हाट्सएप जैसे लोगों के संचार ऐप को हैक करने के लिए डार्क वेब का उपयोग करती हैं। कंगना ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे फोन नंबरों के साथ-साथ लोगों के पंजीकृत नाम, जिनके तहत उन नंबरों को खरीदा गया है। उनको फोन कॉल करते समय सब स्क्रीन पर दिखेगा। उन्होंने सरकार के इस की सराहना की और लिखा, यह बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र को डार्क वेब के बारे में भी कुछ करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, बॉलीवुड के कई मशहूर सितारे इसकी आदी हो गई हैं, न केवल वहां से अवैध सामान ले रही है, बल्कि व्हाट्सएप और मेल जैसे सभी के संचार को भी हैक कर रही हैं। अगर वे उन पर कार्रवाई करेंगे, तो कई बड़े नाम उजागर होंगे। बता दें कि बीते दिनों अभिनेत्री ने अभिनेता अक्षय कुमार की पत्नी और अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना को आड़े हाथ लिया था। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्विंकल का एक वीडियो साझा कर ट्विंकल को खरी-खोटी सुनाई थी। वीडियो में अभिनेत्री पुरुषों की तुलना पॉलीथीन बैग से करती हुई दिखाई दे रही हैं, जिसे लेकर कंगना ने उन्हें नेपो किड कहा था। कंगना रणौत को आखिरी बार चंद्रमुखी-2 और तेजस में देखा गया था। वहीं, उनकी आगामी फिल्म की बात करें, तो वे जल्द ही फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म में न केवल कंगना मुख्य भूमिका में हैं, बल्कि उन्होंने निर्देशन भी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री को विष्णु मांचू अभिनीत फिल्म कन्नप्पा के लिए भी चुना गया है। इसमें प्रभास भगवान शिव की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जबकि विष्णु मांचू उनके भक्त की भूमिका निभाएंगे।

कोबरा से भी है जहरीला मेंढक, तीन मिनट में 10 लोगों की ले सकता है जान

हमारी धरती पर कई तरह के जीव जन्तु पाए जाते हैं। इनमें से कुछ बहुत खतरनाक और जहरीले होते हैं। वहीं बहुत से जीव दिखने में बहुत खूबसूरत होते हैं, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर खूबसूरत दिखने वाला जीव अच्छा हो। कई खूबसूरत जीव बहुत जहरीले भी होते हैं। हम आपको एक ऐसे ही मेंढक के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिखने में तो बहुत सुंदर हैं लेकिन यह इतना खतरनाक होता है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। यह मेंढक इतना जहरीला है कि तीन मिनट में 10 लोगों की जान ले सकता है। जहरीले जीवों से हर कोई डरता है और दूर रहने की कोशिश करता है। आपने कोबरा सांप के बारे में सुना होगा। किंग कोबरा बहुत खतरनाक और जहरीला होता है। अगर यह किसी को काट ले तो थोड़ी ही देर में इंसान की मौत हो जाती है। यह मेंढक तीन मिनट में 10 लोगों की जान ले सकता है। यहां तक कि इसको छूने से ही जहर फैल जाता है। इस जहरीले मेंढक का नाम गोल्डन पॉइजन फ्रॉग है। यह मेंढक करीब दो इंच का होता है।

कोलंबिया में शिकारी इस मेंढक के जहर का इस्तेमाल शिकार करने वाले हथियार बनाने में करते थे। यह इतने जहरीले होते हैं कि बिना ग्लब्स के इनको पकड़ने पर कुछ ही सेकेंड में किसी की मौत हो सकती है। दरअसल, यह मेंढक खतरा महसूस होते ही अपनी त्वचा से जहर को बाहर निकालने लगता है। इसके जहर में इतनी ताकत होती है कि किसी के भी स्नायु तंत्र को बर्बाद कर सकता है। इसके जहर का प्रभाव होते ही कई परेशानियां होने लगती हैं जिससे इंसान को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो जाती है। यह मेंढक सिर्फ दो इंच का होता है और इसके दो बूंद जहर से किसी की मौत हो सकती है। इस मेंढक का रंग चमकीला और पीला होता है। इसके अलावा यह संतरी और पेल ग्रीन रंग के भी पाए जाते हैं। एक शोध में पाया गया है कि यह मेंढक जितना चमकदार होता है वह उतना ही जहरीला होता है। माना जाता है कि इसके अंदर जहर पौधों और जहरीले कीड़े पहुंचते हैं। कोलंबिया के प्रशांत तट पर वर्षा वन के एक छोटे से भूखंड के भीतर ज्यादातर इस मेंढक की प्रजातियां रहती हैं।

अजब-गजब | यह है दुनिया का इकलौता देश

इस देश की एक नहीं तीन हैं राजधानियां

हर देश की राजधानी, उस देश का सबसे खास शहर होता है, जहां से देश की सरकारें संचालित होती हैं, हर बड़े फैसले लिए जाते हैं। आमतौर पर हर देश की एक ही राजधानी होती है। भारत को ही ले लीजिए, हमारे देश की राजधानी नई दिल्ली है। उसी प्रकार भारत के तमाम राज्यों की भी अपनी राजधानियां हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जिसकी एक नहीं बल्कि 3 राजधानियां हैं। क्या आप इस देश का नाम जानते हैं? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जिसकी 2 राजधानियां हैं। पर सिर्फ एक ही देश ऐसा है, जिसकी 3 हैं। इस इकलौते देश का नाम है साउथ अफ्रीका। अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिणी हिस्से में मौजूद इस देश की तीन राजधानियां हैं- प्रिटोरिया, केप टाउन और ब्लोएमफोनटीन Bloemfontein। आप भी इस सोच में पड़ गए होंगे कि आखिर ऐसा क्यों है कि साउथ अफ्रीका, 3 राजधानियों वाला देश है?

प्रिटोरिया प्रशासनिक राजधानी है और यहां सरकार का एग्जिक्यूटिव पैनल बैठता है। राष्ट्रपति से लेकर कैबिनेट तक प्रिटोरिया में रहते हैं। प्रिटोरिया में ही अन्य सरकारी कार्यालय, और विदेशी एंबेसी भी मौजूद हैं। ये देश के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित है और जोहेनसबर्ग के पास, गौटेंगा प्रांत में है। केप टाउन को देश की विधायी राजधानी माना जाता है। यहीं पर साउथ अफ्रीका की नेशनल असेंबली मौजूद है और नेशनल काउंसिल ऑफ प्रोविंस भी मौजूद है। ये देश के दक्षिण पश्चिमी भाग में मौजूद है। आबादी के आधार पर ये देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

ब्लोएमफोनटीन फ्री स्टेट प्रांत में है। ये देश के केंद्र में स्थित है और देश की न्यायिक राजधानी है। देश का सबसे बड़ा कोर्ट, और सुप्रीम कोर्ट ऑफ अपील भी यहीं मौजूद है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार की न्यायिक शाखा ब्लोमफ़ोनटेन में इसलिए रखी गई क्योंकि ये देश के बिल्कुल केंद्र में था।

प्रिटोरिया में फॉरेन एंबेसी इसलिए बनाई गई और कई सरकारी कार्यालय इसलिए रखे गए, क्योंकि आजादी से पहले भी ये सब कुछ उसी शहर में था। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रिटोरिया, देश के सबसे बड़े शहर जोहेनसबर्ग के पास था। अंत में केप टाउन को पारलियामेंट के लिए उपयुक्त इसलिए समझा गया, क्योंकि अंग्रेजों के दौर से यहां पर संसद थी।

बीजेपी के दावे शेखी और अहंकार भरे : मनीष

भाजपा के 370 सीटें लाने के दावे पर कसा तंज, मोदी सरकार के 10वर्षीय कार्यकाल के बाद बदहाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने लोकसभा चुनाव में 370 सीट जीतने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावों को शेखी और अहंकार बताकर खारिज कर दिया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल के बाद वास्तव में पीड़ा और बदहाली की स्थिति है। उन्होंने पंजाब में कांग्रेस की स्थिति को बहुत अ'छी बताया। तिवारी ने पिछले 10 साल में केंद्र सरकार के प्रदर्शन को लेकर भाजपा की आलोचना की। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह लोकसभा चुनाव में किस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते हैं।यह पूछे जाने पर कि क्या वह आनंदपुर साहिब से चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस नेता ने बस इतना कहा, मैं आनंदपुर साहिब से सांसद हूं।

उन्होंने कहा कि आम चुनाव के लिहाज से कांग्रेस की पंजाब में बहुत अच्छी स्थिति है। तिवारी के भाजपा में शामिल हो सकने संबंधी अटकलों और अफवाहों को लेकर सवाल किए जाने पर कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं अफवाहों पर प्रतिक्रिया देकर उन्हें तवज्जो नहीं देता। उन्होंने कहा कि अटकलों के बीच संसद में उनके हालिया भाषण को सोशल मीडिया पर साझा किया जाना अपने आप में सब कुछ कहता है। तिवारी ने इस महीने की शुरुआत में संसद के बजट सत्र के दौरान मोदी सरकार के आर्थिक प्रदर्शन पर तीखा हमला किया था। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के आखिरकार एकजुट होने और हाल में आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट साझा करने के समझौते पर मुहर लगने पर

तिवारी ने कहा कि अभी चुनाव की घोषणा नहीं हुई है और इसलिए समय की कोई बाधा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि आक्रामक तरीके से चुनावी रणनीति पर काम कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तुलना में क्या इंडिया गठबंधन तैयारी के मामले में पीछे रह गया है, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आखिरकार लोग मौजूदा सरकार का उसके 10 साल के प्रदर्शन के आधार पर आकलन करेंगे और ये चुनाव असल परीक्षा साबित होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, लोगों को वोट देना है। जब तक चुनाव की घोषणा नहीं हो जाती, तब तक हर चीज करने का एक समय, एक स्थान और एक क्षण है।

राजनीति में संभावनाओं की प्रधानता

कांग्रेस-आप गठबंधन को अप्राकृतिक बताने वाले आलोचकों पर पलटवार करते हुए तिवारी ने कहा कि जब भाजपा ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा समाप्त करके उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था और पीडीपी नेताओं को जेल में भेज दिया था उससे पहले भाजपा एवं पीडीपी के बीच जम्मू-कश्मीर में गठबंधन था।उन्होंने कहा, इसलिए जब अप्राकृतिक गठबंधन शब्द का इस्तेमाल किया जाता है तो मुझे सुखद आश्चर्य होता है। पंजाब में कांग्रेस और आप के हाथ नहीं मिलाने पर तिवारी ने कहा कि राजनीति में संभावनाओं की प्रधानता होती है। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर आप किसी राज्य में (पंजाब में) सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान और प्रमुख विपक्षी दल के एक साथ आने की उम्मीद नहीं करते। हर राज्य के लिए अलग-अलग मॉडल हैं। यह पूछे जाने पर कि पंजाब में कांग्रेस की स्थिति कैसी है और क्या वह पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा अधिक सीट जीतेगी, तिवारी ने कहा कि पार्टी बहुत अच्छी स्थिति में है।

धर्म और राजनीति दोनों अलग-अलग विषय

यह पूछे जाने पर कि क्या अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा साबित होगा, कांग्रेस नेता ने कहा कि राजनीति, राजनीति होती है और धर्म, धर्म होता है।उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, यदि आप दोनों को मिला देते हैं तो किसी भी राजनीति के स्वास्थ्य पर इसके बहुत हानिकारक परिणाम होते हैं। मेरी आस्था मेरी आस्था है। अयोध्या में बनाए गए मंदिर और भगवान राम के प्रति मेरे मन में सम्मान और श्रद्धा है, लेकिन मैं चकित हूं कि क्यों कोई मौजूदा सरकार अपने 10 साल के कार्यकाल में किए गए काम के आधार पर वोट नहीं मांगेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रमुख मुद्दे लोकतंत्र की रक्षा, महंगाई और बेरोजगारी हैं।

कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी : विष्णु देव साय

हैदराबाद। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस को एक डूबता जहाज बताया और इसे भ्रष्टाचार की जननी करार दिया। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई की विजय संकल्प यात्रा को भद्राचलम में संबोधित करते हुए कांग्रेस मुक्त भारत का आह्नान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद ही भारत विश्वगुरु बनेगा और यह सभी के लिए अच्छा होगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान हुए कथित घोटालों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हर दिन कोई न कोई घोटाला सामने आता था, चाहे वह कोयला घोटाला हो, राष्ट्रमंडल खेल से जुड़ा हो या अन्य घोटाला हो। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के 10 साल के कार्यकाल के दौरान कुछ नेता और मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भी गए थे। साय ने कहा, इसी का नतीजा है कि देश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। देश और राज्यों में सरकार बनाने वाली कांग्रेस अब सिकुड़ती जा रही है। कांग्रेस पार्टी के अ'छे नेता कांग्रेस छोड़कर दूसरे दलों में जा रहे हैं।

फडणवीस ने की मेरी हत्या करवाने की कोशिश : जरांगे

» शिंदे को उपमुख्यमंत्री की नहीं सुननी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सुझाव दिया है कि वह उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बात न सुनें। साथ ही कहा है कि उन्हें यह बताना चाहिए कि कुनबी मराठाओं के सगे संबंधियों पर अधिसूचना क्यों लागू नहीं की जा रही है।

जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में आरोप लगाया कि फडणवीस ने उनकी हत्या करने की कोशिश की थी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह मुंबई तक मार्च करेंगे और उप मुख्यमंत्री के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन

करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया था कि उन्हें 'सेलाइन' के जरिए जहर देने की कोशिश की गई थी, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। मुख्यमंत्री की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर जरांगे ने कहा, मैंने इन्हें सुना नहीं है, लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि (मराठाओं के) रिश्तेदारों के आरक्षण की अधिसूचना क्यों लागू नहीं की गई। मैं उनका बहुत सम्मान करता था। उन्हें उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बात नहीं सुननी चाहिए और उनकी (फडणवीस की) भाषा नहीं बोलनी चाहिए।

खत्म हो चुका है मोदी का जादू : स्वामी

» बोले- लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करेगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया कि हिंदू गौरव बढ़ने से आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी को फायदा मिल सकता है लेकिन मोदी का जादू चलने की संभावना से इनकार किया। यहां एक विधि सम्मेलन में शिरकत करने आए स्वामी ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) व्यक्ति के बजाय संगठन एवं सिद्धांत को अहमियत देते हैं।

भाजपा के 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 400 से ज्यादा सीटें जीतने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दावे को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में स्वामी ने कहा, मेरा मानना है कि भाजपा अपने पिछले चुनावी प्रदर्शन को पछाड़ देगी क्योंकि पहली बार हिंदू अपनी पहचान पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब वह संकोच महसूस नहीं होता जो नेहरू के समय में उन पर थोपा गया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कुछ लोग सोच सकते हैं कि ए बदलाव उनकी वजह से हुआ है। हमें ऐसी चीजों को महत्व देने की जरूरत नहीं है... मुझे नहीं लगता कि मोदी का जादू जैसा कुछ है।

भाजपा-आरएसएस में व्यक्तियों को कोई महत्व नहीं दिया जाता। यह कांग्रेस की संस्कृति रही है।

नीतीश की राजग में वापसी स्वागत योग्य कदम

स्वामी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजग मे वापसी का भी स्वागत किया और कहा कि जद (यू) अध्यक्ष को और इधर उधर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि यही उनके हित मे होगा। स्वामी ने कहा, वह हमेशा हमारे थे। मुझे अब भी समझ नही आया कि उन्होने हमे क्यो छोड़ दिया। वह बुद्धिमान और विद्वान है और उन्हे समझना चाहिए कि वह हिंदू भावनाओ के खिलाफ जाने का जोखिम नही उठा सकते। इसलिए, उन्हे प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि वह कभी भी भाजपा से अलग नही होंगे। उन्होने आगामी लोकसभा चुनावो मे भाजपा को चुनौती देने की कोशिश करने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भी मजाक उड़ाया और नेशनल हेराल्ड मामले का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि मै कोशिश करूंगा कि वह (राहुल)और उनकी मां (पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी) जेल जाएं।

अश्विन ने की कुंबले की बराबरी

» 35वीं बार पांच विकेट लेने का किया कारनामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में पांच विकेट लेकर एक और इतिहास रच दिया। तीसरे टेस्ट मैच में अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट पूरे करने का कमाल किया था, अब रांची में 35वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया। इसके साथ ही अश्विन ने पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबली की बराबरी कर ली है।

अश्विन ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में टेस्ट करियर का 35वां 5 विकेट हॉल हासिल किया। इसी के साथ उन्होंने पूर्व गेंदबाज अनिल कुंबले (35) के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अश्विन ने इंग्लैंड के बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, फॉक्स और जेम्स एंडरसन को अपना शिकार बनाया। जेम्स एंडरसन का विकेट लेने के साथ ही अश्विन

ने यह खास उपलब्धि हासिल की। गौरतलब हो कि आर अश्विन भारत के लिए सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर आ गए हैं, जबकि ओवरऑल चौथे स्थान पर हैं। अश्विन ने 99वें टेस्ट मुकाबले में 35वां 5 विकेट हॉल लिया। उनसे पहले अनिल कुंबले ने 132 टेस्ट में 35 बार पांच विकेट लेने का कमाल कर चुके हैं। इस सूची में हरभजन सिंह तीसरे स्थान पर हैं। हरभजन सिंह ने 103 टेस्ट में 25 बार 5 विकेट लिए हैं।

मां मेरा आशियाना बचा लो

आज सुबह जब प्रशासन के बुलडोजर ने अकबरनगर के निवासियों के दरवाजे पर दस्तक दी तो वहां रह रहे अध्यावासियों का सरकार से भरोसा उठा तो मंदिरों में मिन्नतें करने लगीं। लेकिन अधिकारियों ने एक न सुनी उन्हें न महिलाओं की गुहार सुनाई दी और न तो बिलख रहे बच्चों के आसूं ही दिखाई दिये। दशकों से रहे लोगों के आशियाने को जमींदोज करने की प्रकिया शुरू कर दी गई।

ऐक्शन में ममता सरकार टीएमसी नेता गिरफ्तार

» बंगाल पुलिस ने शाहजहां के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल नेतृत्व ने संदेशखालि में बवाल के बाद अपने आरोपी नेताओं पर कड़ी कार्रवा शुरू कर दी है।टीमसी के वरिष्ठ नेताओं ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि पार्टी उन नेताओं के साथ खड़ी नहीं होगी जिन्होंने कथित तौर पर संदेशखाली में ग्रामीणों पर अत्याचार किया था। बात को आगे बढ़ाने के लिए, तृणमूल ने बेरमजुर आंचल समिति के अध्यक्ष अजीत मैती को उनकी नियुक्ति के 24 घंटे के भीतर जमीन हड़पने और यातना के आरोप में बाहर कर दिया।

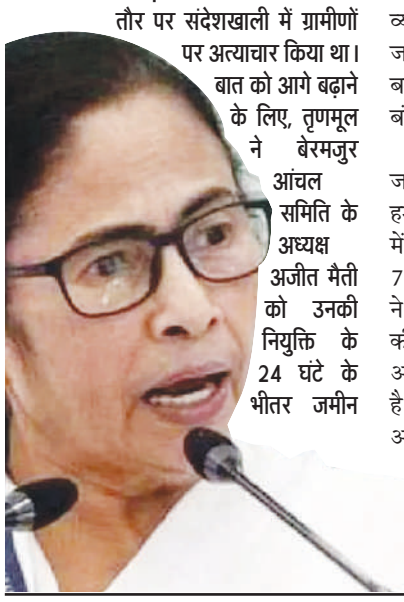

पश्चिम बंगाल पुलिस ने ग्रामीणों की जमीन हड़पने के आरोप में उत्तरी 24 परगना जिले के अशांत संदेशखालि से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अजीत मैती को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि फरार तृणमूल नेता शाहजहां शेख के करीबी सहयोगी माने जाने वाले मैती को रविवार शाम को एक व्यक्ति के आवास से हिरासत में लिया गया, जहां उन्होंने ग्रामीणों द्वारा पीछा किए जाने के बाद खुद को चार घंटे से अधिक समय तक बंद रखा था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ''ग्रामीणों से जमीन हड़पने की शिकायत मिलने के बाद हमने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। हम उन्हें बाद में अदालत में पेश करेंगे।'' उन्होंने बताया कि 70 से ज्यादा शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने शाहजहां शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अधिकतर शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि शाहजहां उनकी जमीन के जबरन अधिग्रहण और स्थानीय महिलाओं पर अत्याचार में सक्रिय रूप से शामिल था। जमीन हड़पने और स्थानीय महिलाओं पर अत्याचार करने के आरोपी शाहजहां और उनके समूह के साथ कथित संबंध रखने से गुस्साए ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले मैती पर हमला किया था।

टीएमसी ने जमीन कब्जाने वाले नेता अजीत मैती को किया निष्कासित

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल के संदेशखालि का दौरा किया और उन ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं जो पार्टी के स्थानीय नेताओं के कथित अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। संदेशखालि में बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्थानीय तृणमूल नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इस मामले में ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के बीच सत्तारूढ़ दल के नेताओं का संदेशखालि का यह चौथा दौरा है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की एक टीम पर पांच जनवरी को भीड़ ने उस समय हमला किया था जब उसने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में शेख के आवास में प्रवेश करने की कोशिश की थी। हमले में तीन अधिकारी घायल हो गए थे। इसके बाद से शेख फरार है और स्थानीय लोग वहां प्रदर्शन कर रहे हैं।

ईडी दफ्तर नहीं जाएंगे मुख्यमंत्री केजरीवाल

» आप ने कहा - कोर्ट के फैसले का इंतज़ार करे ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल एक बार फिर ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। आम आदमी पार्टी का कहना है कि केजरीवाल अभी ईडी नहीं जाएंगे। यह मामला कोर्ट में है और कोर्ट में अगली सुनवाई 16 मार्च को है।

पार्टी का कहना है कि रोज समन भेजने की जगह ईडी कोर्ट के फैसले का इंतजार करे। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि हम पर इंडिया गठबंधन छोड़ने के लिए इस तरह का दबाव बनाया जा रहा है, हम इसे नहीं छोड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल के अधिवक्ता द्वारा दायर आवेदन में कहा गया कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 15 फरवरी से शुरू हो गया है और मार्च के पहले सप्ताह तक चलेगा। इसमें कहा गया है कि वह 16 मार्च को सुनवाई की अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश होंगे।

मोदी सरकार हम पर इस तरह दबाव न बनाए : केजरीवाल

मोदी सरकार हम पर इस तरह दबाव न बनाए। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ईडी का समन गैर कानूनी है। अगर कानूनी रूप से सही समन भेजा जाता है तो वह जरूर ईडी के समक्ष पेश हो जाएंगे। साथ ही केजरीवाल ये भी आरोप लगाते हैं कि पीएम मोदी का मकसद लोकसभा चुनावों से पहले उन्हें गिरफ्तार करना है। वह गिरफ़्तार करके दिल्ली की सरकार गिराना चाहते हैं। लेकिन हम ये क़तई नहीं होने देंगे। ये समन राजनीति से प्रेरित हैं, ईडी बताए कि पूछताछ क्यों करना चाहती है?

संजय सिंह की जमानत याचिका पर ईडी को सुप्रीम नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। दरअसल, संजय सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट की जमानत देने से इनकार करने वाले आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका दायर की है।

बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 7 फरवरी को संजय सिंह की शराब घोटाला मामले में जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी से जवाब मांगते हुए नोटिस जारी किया है। संजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में कहा है कि 4 अक्टूबर 2023 को उनकी अवैध गिरफ्तारी से पहले उन्हें पीएमएलए 2002 की धारा 50 के तहत नोटिस नहीं दिया गया था।

व्यास तहखाने में जारी रहेगी पूजा-पाठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने की मांग को लेकर स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से पंडित सोमनाथ व्यास, डॉ.रामरंग शर्मा एवं अन्य द्वारा 15 अक्टूबर 1991 को दाखिल मुकदमे की सुनवाई जिला जज की अदालत में स्थानांतरित करने की मांग को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र सोमवार को सुनवाई हुई।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला आया है कि व्यास तहखाने में जारी रहेगी पूजा-पाठ। ज्ञानवापी स्थित पानी टंकी (वुजूखाना) में गंदगी करने और वहां मिले शिवलिंग पर बयान देकर हिंदुओं की भावना आहत करने का आरोप लगाते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद असदुद्दीन ओवैसी समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर वकील हरिशंकर पांडेय की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर अपर जिला जज (नवम) की अदालत सुनवाई हुई। कब्रों का जिक्र करते हुए उर्स, चादर, गागर समेत अन्य धार्मिक कार्यों की अनुमति देने की मांग को लेकर लोहता के रहने वाले मुख्तार अहमद व अन्य की ओर से दाखिल वाद पर एडीजे सातवां की अदालत में सुनवाई हुई।

देश की सड़कें बनीं जानलेवा: अलग-अलग दुर्घटनाओं में 20 लोगों की मौत

» बिहार में ट्रक, जीप और मोटरसाइकिल की टक्कर में 9 लोगों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैमूर। बिहार के कैमूर जिले में एक ट्रक, जीप और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर में दो महिलाओं सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। यह घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के देवकली गांव के पास जीटी रोड पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह दुर्घटना उस दौरान हुई, जब दो महिलाओं सहित आठ लोगों को ले जा रही एक जीप ने उसी दिशा में जा रही एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

ऐसा लगता है कि जीप के चालक ने नियंत्रण खो दिया था, जिससे यह दुर्घटना हो गई। पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार ने कहा, दोनों वाहन टक्कर के बाद सड़क के दूसरी ओर चले गए, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक उनसे टकरा गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार समेत सभी नौ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

जौनपुर में रोडवेज बस और ट्रैक्टर की टक्कर में छह श्रमिकों की मौत

जौनपुर। जिले के सिकरारा थाना क्षेत्रमें रोडवेज बस और ट्रैक्टर की टक्कर में ट्रैक्टर पलट जाने से उसमें दबकर छह श्रमिकों की मौत हो गयी और दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। रविवार रात्रि लगभग साढ़े ग्यारह बजे प्रयागराज की तरफ से देवरिया जा रही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस से समाधगंज बाजार में 12 श्रमिकों को लेकर जा रहे ट्रैक्टर की जबरदस्त टक्कर हो गई।

आंध्र में बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई, पांच मरे

हैदराबाद। राजामहेंद्रवरम की ओर जा रही आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की बस की प्रथीपाडु के पास सड़क के किनारे पंक्चर टायर को बदलने के लिए खड़े ट्रक से टक्कर हो गई, जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। काकीनाडा जिले में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार सरकारी बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। एक की हालत गंभीर थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।